वैचारिक ढांचा:

आंतरिक सुरक्षा में किसी देश की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा और उसकी सीमाओं के भीतर कानून और व्यवस्था का रखरखाव शामिल है।

इसमें आतंकवाद विरोधी उपाय, सीमा सुरक्षा, खुफिया जानकारी एकत्र करना और विद्रोह और संगठित अपराध से खतरों को संबोधित करना शामिल है।

पुलिस बलों, खुफ़िया एजेंसियों और सेना जैसे विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग और समन्वय महत्वपूर्ण है।

ncertbooks.info

आंतरिक सुरक्षा को खतरा:

आतंकवाद: घरेलू और सीमा पार आतंकवाद के कारणों, प्रवृत्तियों और पैटर्न को समझें। भारत की आतंकवाद विरोधी रणनीतियों और विधायी उपायों का विश्लेषण करें।

साइबर खतरे: साइबर सुरक्षा अवधारणाओं, डेटा गोपनीयता और साइबर अपराध से निपटने से खुद को परिचित करें। भारत की साइबर सुरक्षा पहल और इसमें शामिल एजेंसियों के बारे में जानें।

वामपंथी उग्रवाद: वामपंथी उग्रवाद में योगदान देने वाले सामाजिक-आर्थिक कारकों और इस मुद्दे से निपटने के लिए सरकारी रणनीतियों का अध्ययन करें।

सांप्रदायिक और जातीय हिंसा: सांप्रदायिक सद्भाव और सामाजिक एकीकरण को बढ़ावा देने वाले ऐतिहासिक संदर्भ, मूल कारणों और सरकारी नीतियों का विश्लेषण करें।

आर्थिक अपराध: मनी लॉन्ड्रिंग, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के मुद्दों को समझें। सीबीआई और ईडी जैसी प्रवर्तन एजेंसियों के बारे में जानें।

पुस्तकें देखने के लिए यहां क्लिक करें

ncertbooks.info

सरकारी पहल और नीतियां:

राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत: आंतरिक सुरक्षा के प्रति सरकार के समग्र दृष्टिकोण का अध्ययन करें।

आतंकवाद-विरोधी सिद्धांत: आतंकवाद से निपटने की रणनीतियों और उपायों को समझें।

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति: साइबर सुरक्षा के प्रति भारत के दृष्टिकोण का विश्लेषण करें।

विशिष्ट एजेंसियां: एनएससी, एनएसजी और डीआरडीओ जैसे संगठनों और आंतरिक सुरक्षा बढ़ाने में उनकी भूमिकाओं के बारे में जानें।

वामपंथी उग्रवाद पर नीतियां: आईएपी और एसआरई योजना जैसी पहलों का अध्ययन करें।

***आंतरिक सुरक्षा में प्रौद्योगिकी की भूमिका*:**

निगरानी तकनीकें: उपग्रह इमेजरी, ड्रोन और चेहरे की पहचान प्रणालियों के बारे में जानें।

साइबर सुरक्षा: डिजिटल फोरेंसिक, सूचना युद्ध और एआई और ब्लॉकचेन की भूमिका जैसी अवधारणाओं को समझें।

उभरती प्रौद्योगिकियाँ: आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में तकनीकी प्रगति पर अद्यतन रहें।

***अंतरराष्ट्रीय सहयोग*:**

द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग: खुफिया जानकारी साझा करने और अंतरराष्ट्रीय खतरों के खिलाफ संयुक्त अभियानों के लिए समझौतों का अध्ययन करें।

क्षेत्रीय सुरक्षा ढाँचे: साझा सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए सार्क और बिम्सटेक जैसे क्षेत्रीय मंचों में भारत की भागीदारी का विश्लेषण करें।

ये नोट्स यूपीएससी के लिए आंतरिक सुरक्षा को समझने के लिए एक ठोस आधार प्रदान करते हैं। परीक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए इन पहलुओं का विस्तार से अध्ययन और विश्लेषण करना आवश्यक है।

ncertbooks.info

Click here to see Books

For more details visit website: www.ncertbooks.info